VIDYA BHAWAN BALIKA VIDYAPEETH SHAKTI UTTHAN AASHRAM LAKHISARA

(C.C.A) CLASS - IX

DATE:- 04.06.21. CLASS TEACHER – ANANT KUMAR

World Environment Day

:- जानें क्या है विश्व पर्यावरण दिवस का महत्व, थीम और इतिहास

World Environment Day 2021: पर्यावरण और लोगों के दैनिक जीवन पर इसके प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने और लोगों को यह याद दिलाने के लिए की प्रकृति को हल्के में ना लें, इसकी संरक्षण की भावना को ध्यान में रखकर हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है. आइये विश्व पर्यावरण दिवस पर 2021 का थीम, इतिहास और महत्व के बारे में विस्तार से अध्ययन करते हैं.

World Environment Day 2021: यह दुनिया में हर साल मनाए जाने वाले सबसे बड़े इवेंट्स में से एक है.

विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से मनाया जा रहा है. पृथ्वी और पर्यावरण की देखभाल करने के लिए यह "पीपल्स डे" भी है. पर्यावरण की रक्षा के तरीकों को जानना वास्तव में महत्वपूर्ण है.

स्वस्थ जीवन के लिए, पर्यावरण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह हमें हवा, भोजन इत्यादि प्रदान करता है. किसी ने सही कहा है कि 'जानवरों और मनुष्यों के बीच अंतर यह है कि जानवर पर्यावरण के लिए खुद को बदलते हैं, लेकिन मनुष्य अपने लिए पर्यावरण को बदलते हैं.' पर्यावरण हमारे अड़ोस-पड़ोस की तरह ही तो है, इसकी आसपास की परिस्थितियां हमें प्रभावित करती हैं और विकास को संशोधित भी करती हैं.

विश्व पर्यावरण दिवस को संयुक्त राष्ट्र द्वारा बढ़ावा दिया जाता है और 2021 के लिए पाकिस्तान (Pakistan) विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी करेगा. 2020 में, कोलंबिया ने मेजबानी की थी. विश्व पर्यावरण दिवस को पर्यावरण दिवस के रूप में भी जाना जाता है.

विश्व पर्यावरण दिवस 2021: थीम

विश्व पर्यावरण दिवस 2021 का थीम "Ecosystem Restoration" है.

विश्व पर्यावरण दिवस 2020 का थीम "जैव विविधता" ("Biodiversity") है.

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह एक ऐसी चिंता है जो तत्काल और अस्तित्व दोनों है. जैव विविधता जमीन और पानी के नीचे सभी जीवन का समर्थन करती है या हम कह सकते हैं कि यह वह नींव है जो इस सब का समर्थन करती है. मानव स्वास्थ्य का हर पहलू इससे प्रभावित होता है. यह स्वच्छ हवा, पानी, भोजन प्रदान करती है, और दवाओं इत्यादि का भी स्रोत है.

वनों की कटाई, वन्यजीवों के आवासों पर अतिक्रमण, गहन कृषि और वैश्विक जलवायु परिवर्तन के त्वरण जैसे मानवीय कार्यों ने प्रकृति को नुक्सान पहुंचाया है और इसे अपनी सीमा से परे धकेल दिया है. संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हर साल मानव जो प्रकृति से ले रहे हैं, उसे पूरा करने में 1.6 पृथ्वी लगेंगी. यदि यह जारी रहा, तो यह एक विशाल जैव विविधता हानि का कारण बन सकता है जो कि खाद्य और स्वास्थ्य प्रणालियों के नुकसान के परिणामस्वरूप मानवता के लिए गंभीर प्रभाव पड़ेगा.

विश्व पर्यावरण दिवस का इतिहास

1974 से, विश्व पर्यावरण दिवस को प्रत्येक 5 जून को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जाने लगा, ताकि मानव जीवन में स्वस्थ और हरित पर्यावरण के महत्व को बढ़ाया जा सके, सरकार, संगठनों द्वारा कुछ सकारात्मक पर्यावरणीय क्रियाओं को लागू करके पर्यावरण के मुद्दों को हल किया जा सके.

वर्ष 1972 ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरणीय राजनीति के विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ दिया: संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में बुलाई गई पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर पहला बड़ा सम्मेलन, स्टॉकहोम (स्वीडन) में 5-16 जून तक आयोजित किया गया. यह मानव पर्यावरण पर सम्मेलन के रूप में भी जाना जाता है, या स्टॉकहोम सम्मेलन. इसका लक्ष्य मानव पर्यावरण को संरक्षित करने और बढ़ाने की चुनौती से निपटने के लिए एक बुनियादी सामान्य दृष्टिकोण बनाना था. बाद में उसी वर्ष, 15 दिसंबर को, महासभा ने एक रेसोल्यूशन के तहत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में अपनाया.

इसके अलावा 15 दिसंबर को, महासभा ने पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर विशेष एजेंसी, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के निर्माण के लिए नेतृत्व करने के लिए एक और रेसोल्यूशन को अपनाया. वर्ष 1974 में पहली बार "केवल एक पृथ्वी" ("Only one Earth") के स्लोगन के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया.

विश्व पर्यावरण दिवस क्यों मनाया जाता है?

दुनिया भर में वनों की कटाई, बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग, अपव्यय और भोजन, प्रदूषण इत्यादि जैसे पर्यावरणीय मुद्दों को संबोधित करना आवश्यक है. दुनिया भर में प्रभावशीलता लाने के लिए एक विशेष थीम और स्लोगन के साथ कई अभियान आयोजित भी इस दिन किए जाते हैं.

इस दिन को सफलतापूर्वक कार्बन तटस्थता प्राप्त करने, ग्रीनहाउस प्रभावों को कम करने, वन प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने, खराब (degraded) भूमि पर रोपण, सौर स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन, प्रवाल भित्तियों और मैन्ग्रोव को बढ़ावा देने, नई जल निकासी प्रणाली विकसित करने इत्यादि के लिए विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है.

एलेन मैकआर्थर फाउंडेशन (Ellen McArthur Foundation) द्वारा 2015 में किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि दुनिया में अब तक लगभग 6.3 बिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हुआ है, और इसका लगभग 90% कम से कम 500 वर्षों तक विघटित नहीं होगा. वैज्ञानिकों के अनुसार मिट्टी, नल का पानी, बोतलबंद पानी, बीयर और यहां तक कि जिस हवा में हम सांस लेते हैं, उसमें माइक्रो-प्लास्टिक या छोटे टुकड़े पाए गए हैं.

विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के पीछे का उद्देश्य

- पर्यावरण के मुद्दों के बारे में आम लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है.
- विभिन्न समाज और समुदायों के आम लोगों को इवेंट में सक्रिय रूप से भाग लेने के साथ-साथ पर्यावरण सुरक्षा उपायों को विकसित करने में सक्रिय एजेंट बनने के लिए प्रोत्साहित करना.
- सुरक्षित, स्वच्छ और अधिक समृद्ध भविष्य का आनंद लेने के लिए लोगों को अपने आस-पास के परिवेश को सुरक्षित और स्वच्छ बनाने के लिए प्रोत्साहित करना.

विश्व पर्यावरण दिवस पर, UN सरकारों, उद्योगों, समुदायों से आग्रह करने और लोगों को पर्यावरण के महत्व और इसको कैसे बचाया जा सकता है के बारे में एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है. ऐसे विकल्प तलाशना जो टिकाऊ और मददगार हों. इसी लिए एक वैश्विक मंच बनाया गया है जहाँ लोग सकारात्मक पर्यावरणीय क्रियाओं को एकत्र कर सकते हैं. हमें अभियानों में भाग लेना चाहिए और प्रदूषण के कारण होने वाली समस्याओं को मिटाने और पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए एकजुट होना चाहिए. हम सब मिलकर बदलाव ला सकते हैं.

***** धन्यवाद *****